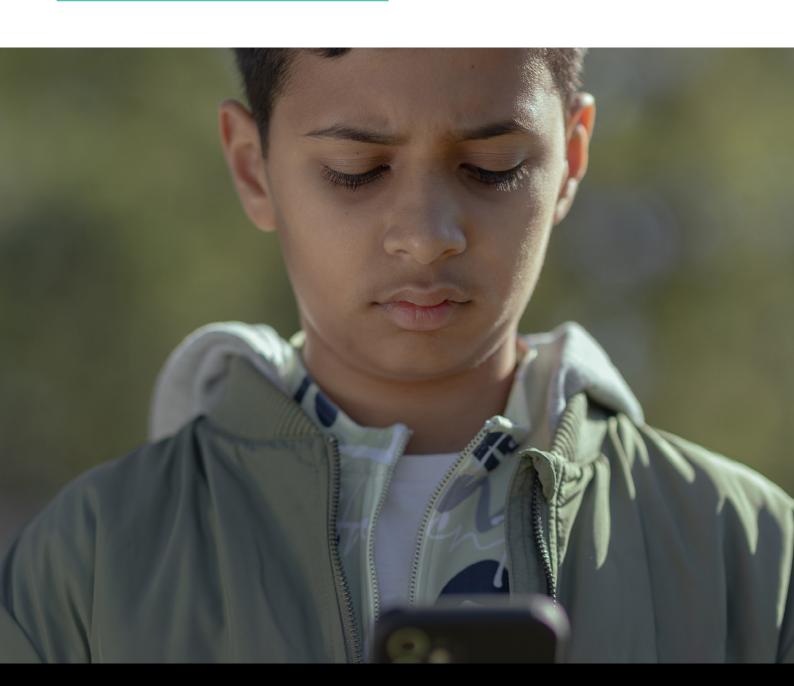
मुद्दा

ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा को समझना







मुद्दा

महिलाओं के प्रति हर अपमान हिंसा में परिणत नहीं होता। लेकिन महिलाओं के खिलाफ़ सारी हिंसा अपमानजनक व्यवहार से शुरू होती है।

ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा एक महामारी की तरह, व्यापक रूप में व्याप्त है।

2022-23 में, ऑस्ट्रेलिया में हर 11 दिन में 1 महिला की उसके वर्तमान या पूर्व अंतरंग साथी द्वारा हत्या कर दी गई $^{\perp}$

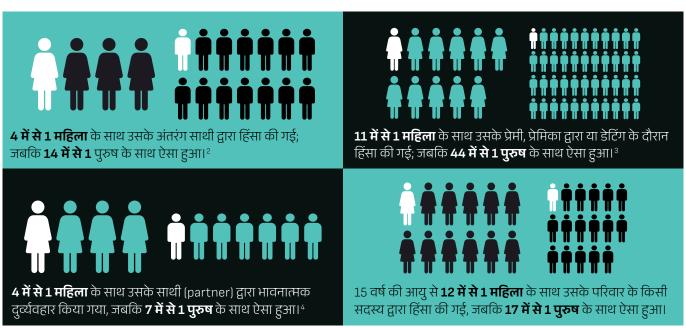
15 वर्ष की आयु से:

- 4 में से 1 महिला के साथ उसके अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की गई; जबकि 14 में से 1 पुरुष के साथ ऐसा हुआ।²
- 11 में से 1 महिला के साथ उसके प्रेमी, प्रेमिका द्वारा या डेटिंग के दौरान हिंसा की गई; जबकि 44 में से 1 पुरुष के साथ ऐसा हुआ।³
- ४ में से 1 महिला के साथ उसके साथी (partner) द्वारा भावनात्मक दुर्व्यवहार किया गया, जबकि ७ में से 1 पुरुष के साथ ऐसा हुआ। ⁴
- 15 वर्ष की आयु से 12 में से 1 महिला के साथ उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा हिंसा की गई, जबकि 17 में से 1 पुरुष के साथ ऐसा हुआ।

हिंसा अलग-अलग अनेक रूपों में हो सकती है, जिसमें शारीरिक और ग़ैर-शारीरिक शामिल हैं, और हो सकता है कि हम इसकी पहचान हमेशा न कर पाएँ। हिंसा और दुर्व्यवहार जिन विभिन्न तरीकों से इस्तेमाल किए जाते हैं, उनसे अवगत होने से, हमें इसे बेहतर ढंग से समझने, इसके बारे में बात करने और इसे अस्वीकार करने में मदद मिलती है। बलपूर्वक नियंत्रण, भावनात्मक और वितीय दुर्व्यवहार, और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्पीड़न, ये सभी हिंसा करने के तरीके हैं, इनका इस्तेमाल अकसर शारीरिक हिंसा के साथ-साथ किया जाता है। हिंसा अलग-अलग प्रकार के रिश्तों में भी मौजूद हो सकती है, चाहे वह अंतरंग साथी के साथ हो, या पूर्व साथी के साथ, या परिवार के सदस्यों के बीच।

हम जानते हैं कि कुछ महिलाओं के प्रति हिंसा होने की दर बढ़ जाती है, क्योंकि भेदभाव के अन्य प्रकार मौजूद होते हैं। आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंड निवासी महिलाओं, सांस्कृतिक, जातीय, धार्मिक और भाषाई रूप से विविध पृष्ठभूमि की महिलाओं, प्रवासी और शरणार्थी महिलाओं, उन महिलाओं को जिन्हें विकलांगता है और LGBTIQA+ और लैंगिक विविधता वाले लोगों पर लिंग पर आधारित हिंसा का कहीं अधिक प्रभाव पड़ता है।

महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा और लिंग पर आधारित सभी हिंसात्मक गतिविधियों के दीर्घकालिक और दूरगामी प्रभाव होते हैं। यह बच्चों, परिवारों, मित्रों, सहकर्मियों, समुदायों और पूरे समाज को प्रभावित करती है। हम सभी को इसे रोकने और समाप्त करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है।



- 1 ऑस्ट्रेलिया में हत्याएँ 2022-23, (Homicide in Australia 2022-23), ऑस्ट्रेलियाई अपराध-विज्ञान संस्थान (The Australian Institute of Criminology), aic.gov.au
- 2 ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (Australian Bureau of Statistics Personal Safety Survey) 2021-22 (मार्च 2023 में प्रकाशित)।
- 3 ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (Australian Bureau of Statistics Personal Safety Survey) 2021-22 (मार्च 2023 में प्रकाशित)।
- ४ ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (Australian Bureau of Statistics Personal Safety Survey) २०२१-२२ (मार्च २०२३ में प्रकाशित)।

महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा अपमान से शुरू होती है

हालाँकि पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा किसी भी व्यक्ति के साथ हो सकती है, आंकड़े बताते हैं कि पीड़ित होने वालों में अधिकांश महिलाएँ हैं, और ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा प्रमुख रूप से पुरुषों द्वारा की जाती है। ⁵

शोध से पता चला है कि अनेक लोग जो इस मुद्दे के बारे में निश्चित रूप से नहीं जानते हैं या लैंगिक समानता का समर्थन नहीं करते हैं, वे आम तौर पर उन दृष्टिकोणों का अधिक समर्थन करते हैं जो महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा का समर्थन करते हैं। इसमें किसी महिला की विकल्पों को चुनने और जीवन को अपनी मर्ज़ी से जीने की क्षमता का सम्मान न करना शामिल है। लिंग संबंधी भूमिकाओं के बारे में रूढ़िवादी सख़्त विचारों से सहमति और महिलाओं के प्रति द्वेषभाव, महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा का कारण बनते हैं।

इस तरह के अपमान का भाव बचपन से शुरू होता है जब लिंग के बारे में हमारे दृष्टिकोण, भावनाएँ और अभिव्यक्तियाँ विकसित हो रही होती हैं। अपमान का मतलब है लोगों के साथ समान व्यवहार न करना, और लोगों की अपनी पसंद करने की स्वतंत्रता को स्वीकार न करना या उनकी अद्वितीय भिन्नताओं को महत्व न देना।

जीवन में जब भी हम अपमान होते हुए देखते हैं, इनमें सोशल मीडिया और ऑनलाइन अनुभव शामिल हैं, तो उसका प्रत्येक उदाहरण परत-दर-परत हमारे दृष्टिकोण को प्रभावित करता है, उसे अधिक गहन बनाता है, जिससे लोग यह सोचने लगते हैं कि महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा का इस्तेमाल करना या हिंसा को अनदेखा करना उचित है। उदाहरण के लिए, एक युवा व्यक्ति यह देख सकता है:

- माता-पिता या देखभालकर्ता, समाज में लड़कों और लड़िकयों की भूमिकाओं के बारे में पुरानी मान्यताओं के अनुसार लड़कों और लड़िकयों के साथ असमान व्यवहार करते हैं
- वयस्कों के आपसी संबंध जहाँ पुरुष अधिकांश निर्णय लेता है और महिला की स्वतंत्रता को सीमित करता है
- एक ऑनलाइन प्रभावित करने वाला व्यक्ति (influencer) जो महिलाओं के बारे में अपमानजनक और द्वेषपूर्ण तरीके से बात करता है, और अपने अनुयायियों को महिलाओं के साथ वैसा ही व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करता है
- पोर्नोग्राफ़ी जिसमें पुरुषों को महिलाओं के खिलाफ़ शारीरिक या मौखिक आक्रामकता का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, जो ऐसी हिंसा को सामान्य बात बना सकता है
- पुरुषों के अन्य पुरुषों के साथ संबंध जिनमें आक्रामकता, प्रभुत्व और नियंत्रण के लिए प्रतिस्पर्धा या अपनी यौन शक्ति के बारे में शेखी बघारना शामिल हैं।

ये प्रभाव, जब लंबे समय तक पड़ते रहते हैं, तो वे एक लड़के या पुरुष की यह सोच बना सकते हैं कि उसे किसी लड़की या महिला पर हावी होने और उसे नियंत्रित करने का अधिकार है या उससे ऐसा करने की अपेक्षा भी की जाती है। इनमें से अनेक पुरुष उस नियंत्रण को बनाए रखने के लिए शारीरिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार का उपयोग करते हैं।



दृष्टिकोण और व्यवहार कम उम्र से ही आकार लेते हैं

बच्चे अपने आस-पास की दुनिया के आधार पर अपनी धारणाएँ बनाते हैं - जो कि वे स्कूल में, दोस्तों के बीच, अपने परिवारों में और मीडिया और ऑनलाइन के माध्यम से लोकप्रिय संस्कृति में सुनते, देखते और बात करते हैं।

पुरुषों और महिलाओं की भूमिकाओं के बारे में युवा लोगों के विचारों पर अनेक प्रभाव पड़ते हैं। शोध हमें बताता है कि कम उम्र से ही, कुछ लोग यह मानने लगते हैं कि ऐसे कारण और कुछ परिस्थितियाँ हैं जिनके रहते अपमानजनक व्यवहार करना उचित है।

लड़कों में लड़का या पुरुष होने के अर्थ के बारे में कुछ कठोर या असहाय महसूस करने जैसे विचार विकसित हो सकते हैं, और उन्हें ऐसा दबाव महसूस हो सकता है कि यदि वे उन विचारों के अनुरूप नहीं बनेंगे तो उन्हें स्वीकार्य या महत्त्वपूर्ण नहीं समझा जाएगा। इसमें कठोर और प्रभुत्वशाली होने की अपेक्षाएँ शामिल हो सकती हैं।

सोशल मीडिया से पड़ने वाले दबाव भी बहुत वास्तविक होते हैं और हम सभी पर इसके दुष्प्रभाव होते हैं। यह किसी भी युवा व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थता को प्रभावित कर सकता है, और साथ ही उनके दुष्टिकोण और व्यवहार को भी बदल सकता है।

ये हानिकारक अपेक्षाएँ महिलाओं के प्रति अपमानजनक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा दे सकती हैं। जब इस दृष्टिकोण को चुनौती नहीं दी जाती है, तो युवा लोग धीरे-धीरे यह मानने लगेंगे कि ऐसा करना रिश्तों और बड़े होने का एक सामान्य हिस्सा है। यह दृष्टिकोण उनके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। लड़कियाँ और महिलाएँ समय के साथ-साथ अपमान सहन करना या उसे कम आंकना भी सीख सकती हैं।

यह सब महिलाओं के खिलाफ़ पुरुषों की हिंसा को बढ़ावा देने में एक भूमिका निभाता है।

जब बच्चों को इस प्रकार पाला जाता है कि वे आपसी रिश्तों और समाज में महिला और पुरुष को समान महत्व और अवसर प्रदान करें, तो महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा की संभावना कम होती है।

समाज हमसे अपेक्षा करता है कि हम सभी के साथ समान व्यवहार करें, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो, और अधिकांश वयस्कों को ऐसा लग सकता है कि वे एक अच्छा उदाहरण बनने के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास कर रहे हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हममें से बहुत से लोग बच्चों और वयस्कों, दोनों से उनके लिंग के आधार पर अलग-अलग बातों की अपेक्षा करते हैं, और परिणामस्वरूप हम अकसर उनके साथ अलग-अलग व्यवहार करते हैं – प्राय: हमें इस वास्तविकता का अहसास ही नहीं होता।

जब हम अपने शब्दों और अपेक्षाओं के प्रभावों के बारे में जानते हैं, और अन्य वयस्कों और अपने बच्चों के साथ लिंग पर आधारित भूमिकाओं, आपसी अपेक्षाओं, उनके सम्मान और परस्पर स्वस्थ संबंधों के बारे में खुली बातचीत करते हैं, तो हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाती है।

युवा लोगों से सम्मान के बारे में बात करने के तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्मानपूर्वक बातचीत करने के लिए **पॉकेट गाइड** देखें।



6 एक राष्ट्रीय अभियान के विकास को सूचित करने वाला अनुसंधान; ऑस्ट्रेलियाई सरकार का सामाजिक सेवा विभाग, नवंबर 2015

ऑनलाइन अपमान करने की छिपी प्रवृत्तियाँ

सोशल मीडिया और ऑनलाइन ऑनलााइन प्लेटफ़ॉर्मों का उपयोग संपर्क में रहने, समाचार पढ़ने, वीडियो देखने और गेम खेलने का एक सामान्य तरीका है।

युवा लोग ऑनलाइन बहुत समय बिताते हैं – विशेषरूप से अपनी किशोरावस्था के दौरान, वे जो सामग्री देखते और सुनते हैं, वह उनके विचारों और व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

जबिक कुछ ऑनलाइन सामग्री के द्वारा हम ख़ुशीसूस कर सकते है, लेकिन इसमें किसी भी समय अपमानजनक और आक्रामक सामग्री के संपर्क में आने का जोखिम भी है।

अधिकांश सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों में जटिल एलगोरिदम (algorithms) होते हैं जो हमें वे प्रोफ़ाइल या पोस्ट दिखाते हैं जिनके बारे में वह सोचता है कि इस बात कि संभावना है कि हम उन प्रोफ़ाइलों या पोस्टों से जुड़े रहेंगे। यदि कोई संभावित रूप से हानिकारक सामग्री से जुड़े रहने में समय बिताता है, तो एलगोरिदम उन्हें अपने फ़ीड में उसी सामग्री को या अधिकाधिक हानिकारक सामग्री को देखने के लिए प्रेरित कर सकता है। कभी-कभी एलगोरिदम सामग्री को तेज़ी से और व्यापक रूप से फैलाकर 'वायरल होने' में योगदान दे सकते हैं, और इससे ग़लत सूचना और चरम विचार बहुत अधिक विस्तृत रूप से फैल सकते हैं।

सोशल मीडिया इन्फ़्लुएन्सर अक्सर युवा लोगों, जिनमें युवा लड़के और पुरुष शामिल हैं, को हानिकारक और अपमानजनक सामग्री के साथ लक्षित करते हैं, भले ही वे इसकी तलाश न करें। कभी-कभी यह नकारात्मक सामग्री स्वस्थ जीवन शैली, खेल उपलब्धियों और धन-सृजन पर ध्यान केंद्रित करके सकारात्मक या सहायक के रूप में छद्मरूपी हो सकती है। इसका उपयोग शुरुआत में युवा लोगों को आकर्षित करने के लिए किया जाता है, जिस बिंदु पर, सामग्री छुपे रूप से (या खुले तौर पर) हानिकारक और महिला विरोधी हो सकती है। इस प्रकार की सामग्री तब गहन हो जाती है जब उपयोगकर्ता इस पर क्रिया-प्रतिक्रिया करता है।

ऑनलाइन हानिकारक सामग्री और अपमानजनक व्यवहार इस तरह के हो सकते हैं:

- अपमानजनक या लिंग के आधार पर हीन बताने वाली भाषा में टिप्पणियाँ
- ऑनलाइन गेमिंग में महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण भाषा या व्यवहार
- किसी की अनुमति के बिना उनके निजी या अंतरंग फ़ोटो या वीडियो शेअर करना
- बलात्कार, लुक-छिप कर पीछा करने या उनको पुरुषों से हीन दिखाने के बारे में 'मीम्स' ('memes') या चुटकुले
- ऐसे दृष्टिकोणों को बढ़ावा देना जो किसी को परेशान करने को और हिंसा को अनदेखा करते हैं या कमतर आंकते हैं और पीड़ित व्यक्ति को दोषी ठहराते हैं
- दिल दुःखाने वाली या अपमानजनक भाषा से उत्पन्न होने वाले अपशब्द और वाक्यांश
- अन्य लोगों को प्रभावित करने वाले या बहुत से अनुयाइयों वाले व्यक्ति जो दूसरों का अपमान करते हैं, या लिंग के आधार पर ख़तरनाक बरताव या सोच को बढ़ावा देते हैं।

बातचीत करने की गाइड, अपमान करने की छिपी प्रवृत्तियाँ में ऑनलाइन अपमान के बारे में अधिक जानकारी दी गई है।

युवा लोगों को जब इस तरह की सामग्री ऑनलाइन दिखाई जाती है, तो माता-पिताओं और देखभालकर्ताओं के लिए उसे सेंसर या नियंत्रित करना कठिन हो सकता है। हमारे युवा लोग क्या देखते और सुनते हैं, और इसका लिंग और हिंसा के बारे में उनकी धारणाओं पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, इसके बारे में हमें बेहतर तरीके से समझना होगा ताकि हम अपने युवाओं की सहायता कर सकें।

युवा लोगों को यह याद दिलाना ज़रूरी है कि उन्हें उस हर चीज़ से जुड़ने की ज़रूरत नहीं है, जो वे अपनी फ़ीड में देखते हैं, विशेषरूप से, उन चीजों से जो उन्हें परेशान करती हैं या जिन से उन्हें असहज महसूस होता है। हमें जो दिखाया जाता है वह इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खोजते (search) हैं, देखते हैं और किससे जुड़ते हैं। हम सकारात्मक सामग्री से जितने अधिक जुड़ेंगे, उतनी ही कम आपत्तिजनक या अपमानजनक सामग्री हमें दिखाई जाएगी।

आप स्वयं और आपके युवा व्यक्ति ऐसे अकाउंट या पोस्ट को ब्लॉक या रिपोर्ट करने के तरीकों को भी सीख सकते हैं जो हानिकारक या अपमानजनक सामग्री को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपको इस प्रकार की हानिकारक सामग्री कम दिखाई दे और संभव है कि उस हानिकारक सामग्री को हटा भी दिया जाए।

इस बारे में अधिक जानें कि आप **ऑनलाइन नुक़सान की रिपोर्ट** कैसे कर सकते हैं **| ई-सेफ़्टी कमिश्नर।**



हम मिल-जुल कर महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा को रोकने में मदद कर सकते हैं

माता-पिताओं, अभिभावकों, देखभालकर्ताओं और परिवार के सदस्यों के रूप में, हम अपने युवा लोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं। हम चाहते हैं कि उनके पास समृद्ध अनुभव हों, उनके संबंध स्वस्थ हों और उन्हें अपना नाम रोशन करने के अवसर प्राप्त हों। हम चाहते हैं कि वे सही और ग़लत को समझें, और दूसरों का और स्वयं का सम्मान करें।

माता-पिता, देखभालकर्ता, अभिभावक, भाई-बहन, दादा-दादी, नाना-नानी, शिक्षक, कोच, नियोक्ता और रोल मॉडल सहित सभी वयस्क, युवा लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और शुरू से ही ये मानक निर्धारित कर सकते हैं कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं।

हम मिलकर यह कर सकते हैं:

- सम्मान, लैंगिक समानता और सामाजिक मानदंडों और रूढ़ियों के अनुरूप होने के दबावों के बारे में हम अपनी समझ पर विचार करें।
- हम जो बहाने बनाते हैं, और हमारा व्यवहार किस तरह से हमारे युवाओं के लिए ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करता है जिसका स्थायी प्रभाव हो सकता है, इस बारे में ज़्यादा जागरूक रहें। Excuse Interpreter देखें (केवल अंग्रेज़ी में उपलब्ध)।

- हम जो करते हैं और कहते हैं, और इसका दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, उसके बारे में जागरूक होकर हम सम्मान का उदाहरण पेश करें।
- युवा लोग ऑनलाइन किस तरह की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं और वे किस तरह के अपमानजनक शब्दों और बयानों के संपर्क में आ सकते हैं, यह समझने के लिए क़दम उठाएँ।
- युवा लोगों की एक सम्मानजनक पीढ़ी तैयार करने के बारे में अन्य वयस्कों के साथ बातचीत करना शुरू करें।
- जैसे-जैसे युवा बड़े होते हैं, उनके साथ सम्मान के बारे में बातचीत करना शुरू करें – मूल्यों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों का क्या प्रभाव पड़ता है, इस बारे में चर्चा करें। सम्मानपूर्वक बातचीत करने के लिए पाँकेट गाइड देखें।

हमारे युवा लोगों को लिंग संबंधी मानदंडों के आधार पर की जाने वाली अपेक्षाओं में फ़िट होने के दबाव के बिना ख़ुद को तलाशने और विकसित करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए।

हम चाहते हैं कि वे हिंसा से मुक्त दुनिया में रहें।



अधिक जानें

राष्ट्रीय सामुदायिक दृष्टिकोण सर्वेक्षण (National Community Attitudes Survey - NCAS)

NCAS महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोणों का दुनिया का सबसे लंबे समय तक चलने वाला जनसंख्या-स्तर पर सर्वेक्षण है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के बारे में ऑस्ट्रेलियाई लोगों की समझ, लैंगिक असमानता के प्रति दृष्टिकोण और लोगों की हस्तक्षेप करने की इच्छा के बारे में अधिक पढ़ें।

व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (Personal Safety Survey)

व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (PSS) ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों से हिंसा के विभिन्न रूपों और परिमाणों के बारे में उनके किस प्रकार के अनुभव हैं, इस बारे में जानकारी एकत्रित करता है।

ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य और कल्याण संस्थान (Australian Institute of Health and Welfare – AIHW)

AIHW स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित प्रमाण, डेटा और जानकारी प्रदान करता है। इसमें परिवार, घरेलू और यौन हिंसा के बारे में जानकारी शामिल है।

दि लाइन (The Line)

दि लाइन हिंसा का समर्थन करने वाले दृष्टिकोणों और व्यवहारों को चुनौती देकर और उन्हें बदलकर स्वस्थ और सम्मानजनक संबंधों को प्रोत्साहित करती है। दि लाइन को ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सामाजिक सेवा विभाग द्वारा वित्तीय सहायता दी जाती है। यह सेवाा Our Watch द्वारा प्रदान की जाती है। www.theline.org.au

विद्यार्थी कल्याण हब (स्टुडेंट वेलबीइंग हब - Student Wellbeing Hub)

स्टूडेंट वेलबीड़ंग हब शिक्षकों और स्कूल के नेताओं, छात्रों, अभिभावकों के लिए और छात्रों व प्री-सर्विस शिक्षकों को सहयोग प्रदान करने वाले विशेषज्ञ पेशेवरों की सहायता के लिए सुरक्षित स्कूल रणनीतियों पर जानकारी और संसाधनों के लिए एक वन-स्टॉप शॉप है। www.studentwellbeinghub.edu.au

ई-सेफ़्टी कमिश्नर (eSafety Commissioner)

ई-सेफ़्टी ऑनलाइन सुरक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्वतंत्र नियामक है, जो ऑस्ट्रेलियाई लोगों को ऑनलाइन सुरक्षा संबंधी जोखिमों के बारे में शिक्षित करता है। यह साइबर बुलिंग साइबर दुर्व्यवहार और सहमित के बिना साझा की गई अंतरंग छिवयों या वीडियो जैसी हानिकारक सामग्री को हटाने में मदद करता है। ई-सेफ़्टी की साइट पर बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने के लिए अनेक संसाधन और सुझाव हैं। आप www.esafety.gov.au पर ऑनलाइन नुक़सान की रिपोर्ट भी कर सकते हैं।

इसे ज़ोर से कहें (Say It Out Loud)

इसे ज़ोर से कहें LGBTQ+ समुदायों को स्वस्थ संबंध बनाने, अस्वस्थ संबंधों के लिए सहायता प्राप्त करने और अपने मित्रों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करता है। www.sayitoutloud.org.au

सहायता सेवाएँ

इस पृष्ठ पर अनेक प्रकार की सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई है, जिनसे संपर्क किया जा सकता है, यदि आपको सहायता की आवश्यकता है या आपके साथ हिंसा होने का ख़तरा है।

www.respect.gov.au/translated पर अधिक अनुवादित संसाधन देखें



7 मुद्दे के विषय में विस्तृत जानकारी DSS 3360